लखनऊ, सोमवार
1 दिसंबर, 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

दो महीने में दो दर्जन कंपनियां ला रही आइपीओ 11
रांची में विंटेज विराट शो 12

लखनऊ, सोमवार, 1 दिसंबर, 2025
जागरण सिटी
दैनिक जागरण
लखनऊ

चिंता मत करो कि पीआर सपोर्ट कर रहे या नहीं II
अब मैं घर का हीरो नहीं रहा, बेटी सुपरस्टार हैं : सिद्धार्थ मल्होत्रा II

www.jagran.com

हिंदी व उर्दू को बचाने के लिए शुरू करनी होगी मुहिम : गुलाम नबी

एरा विवि व मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट आफ ह्यूमिनिटीज साइंस एंड टेक्नोलाजी की ओर से आयोजित कांफ्रेंस में बोलते पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद ● आयोजक

एरा विवि व मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट आफ ह्यूमिनिटीज साइंस एंड टेक्नोलाजी कांफ्रेंस में बोले गुलाम नबी आजाद

जासं ● लखनऊ : पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद ने कहा कि धर्म एक-दूसरे को उतना नजदीक नहीं लाते, जितना जुबान लाती है। हमें उर्दू और हिंदी दोनों भाषाओं को बचाने के लिए मुहिम शुरू करनी होगी। हिंदी जिंदा रहेगी तभी उर्दू जिंदा रहेगी। वह रविवार को एरा विश्वविद्यालय में पांचवीं अंतरराष्ट्रीय उर्दू कांफ्रेंस में बोल रहे थे।

एरा विश्वविद्यालय और मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट आफ ह्यूमिनिटीज साइंस एंड टेक्नोलाजी की ओर से आयोजित कांफ्रेंस में गुलाम नबी आजाद ने कहा, 'आजादी के बाद जितने भी मुख्यमंत्री रहे, उनमें हेमवती नंदन बहुगुणा जोशी सबसे ज्यादा उर्दू का जौक और शौक रखते थे। उन्होंने कहा, 'उर्दू को लगभग आठ-नौ राज्यों में दूसरी भाषा का दर्जा है, लेकिन केवल वोट वाला। अभी वक्त है उर्दू को बचाने का। उर्दू-हिंदी को बचाने और बढ़ाने के लिए उर्दू की शिक्षा की व्यवस्था होना चाहिए, उसके लिए मुख्यमंत्रियों और शिक्षा मंत्रियों से मुलाकात करें।'

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद डा. रीता बहुगुणा जोशी ने की। कांफ्रेंस के अध्यक्ष पूर्व मंत्री डा. अम्मार रिजवी, कुलपति प्रो. अब्बास अली मेहदी, अटल बिहारी वाजपेई चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव मिश्रा, पूर्व विधायक खान मोहम्मद आतिफ ने भी विचार साझा किए।